भारत सरकार

नागर विमानन मंत्रालय

लोक सभा

लिखित प्रश्न संख्या :3022

दिनांक 16 दिसम्बर, 2021/25 अग्रहायण,1943 (शक) को दिया जाने वाला उत्तर

<u>विमानपत्तनों पर बायमैट्रिक सिस्टम का कार्यान्वयन</u>

3022. श्री सुधीर गुप्ता:

श्री संजय सदाशिवराव मांडलिक:

श्री विद्युत बरन महतो:

श्री श्रीरंग आप्पा बारणे:

श्री रवि किशन:

श्री सुब्रत पाठक:

श्री रविन्दर कुशवाहा:

श्री प्रतापराव जाधव:

क्या **नागर विमानन मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार का छह विमानपत्तनों पर बायोमैट्रिक बोर्डिंग सिस्टम (बीबीएस) स्थापित करने का विचार है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और उक्त प्रणाली के कार्यान्वयन से कौन-कौन से लाभ होने की संभावना है;

(ग) क्या सरकार ने इस प्रणाली के कार्यान्वयन हेतु कोई समय-सीमा निर्धारित की है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) सरकार द्वारा देश के सभी विमानपत्तनों पर उक्त बीबीएस को कार्यान्वित करने के लिए क्या कदम उठाए गए/उठाए जा रहे हैं; और

(ड.) क्या भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) आधुनिक तकनीक का उपयोग करते हुए मौजूदा और नए टर्मिनलों के विस्तार/विकास के लिए लगभग 25,000 करोड़ रुपये के निवेश की योजना बना रही है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इस संबंध में सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए हैं?

उत्तर

नागर विमानन मंत्रालय में राज्य मंत्री (जनरल (डॉ.) विजय कुमार सिंह (सेवानिवृत्त))

(क) और (ख): भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) के 4 हवाईअड्डे यथा वाराणसी, पुणे, कोलकाता और विजयवाड़ा और 3 संयुक्त उद्यम हवाईअड्डे यथा हैदराबाद इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (एचआईएएल), बंगलौर इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (बीआईएएल) और दिल्ली इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (डीआईएएल) पर केवल 'यात्रा के दिन' के लिए पंजीकरण के साथ डिजी यात्रा बायोमीट्रिक बोर्डिंग प्रणाली का प्रारंभिक परीक्षण पूरा हो चुका है। इसके अतिरिक्त, इससे हवाईअड्डों, एयरलाइनों आदि के संसाधनों की इष्टतम उपयोगिता भी सुगम होगी। डिजी यात्रा सेंट्रल इको-सिस्टम को अबाध अंतरराष्ट्रीय यात्रा के लिए पारस्परिकता (इंटरोपेरेबिलीटी) के लिए आईएटीए ट्रेवल पास की वैश्विक प्रक्रियाओं के साथ संरेखित किया गया है।

(ग) और (घ): डिजी यात्रा योजना का कार्यान्वयन विभिन्न हवाईअड्डों पर चरणबद्ध तरीके से किया जाना है। पहले चरण में, इसके वर्ष 2022 में चयनित हवाईअड्डों पर चालू किए जाने की योजना है।

(ड.): एएआई ने अगले 4-5 वर्ष में 25,000 करोड़ रुपए के निवेश प्रवाह (इन्वेस्ट पाइपलाइन) से मौजूदा हवाईअड्डों पर नए हवाईअड्डों का विकास और मौजूदा हवाईअड्डों का विस्तार/स्तरोन्नयन कार्य हाथ में लिया है, जिसमें मौजूदा टर्मिनलों का विस्तार और आशोधन, नए टर्मिनलों का निर्माण, मौजूदा रनवे, हवाईअड्डों, एप्रनों, हवाई दिक्चालन सेवाओं (एएनएस), कंट्रोल टॉवरों, तकनीकी ब्लॉकों आदि का विस्तार और सुदृढ़ीकरण शामिल है।